

SpaceX द्वारा भारत का उपग्रह प्रक्षेपण

[स्रोत: द हिंदू](#)

हाल ही में भारत के [GSAT-N2 \(GSAT-20\) संचार उपग्रह](#) को SpaceX के [फाल्कन-9 रॉकेट](#) द्वारा केप कौनावेरल, फ्लोरिडा, अमेरिका से सफलतापूर्वक प्रक्षेपित किया गया।

- फाल्कन-9 ने GSAT-N2 को **भू-समकालिक स्थानांतरण कक्षा (Geosynchronous Transfer Orbit- GTO)** में प्रक्षेपित किया, जो लगभग **37,000 किलोमीटर** की ऊँचाई वाली एक अण्डाकार कक्षा है, जो **भू-समकालिक या भूस्थिर कक्षा (Geosynchronous or Geostationary Orbit- GSO)** तक पहुँचने की दिशा में पहला कदम है।
 - अंतरिक्ष यान **भूमध्य रेखा** के समानांतर घूमकर तथा **GSO** तक पहुँचने के लिये अपने **रॉकेट इंजन को चलाकर GTO कक्षा का वृत्ताकारिकरण** करता है।
 - **Apoapsis** किसी कक्षा में वह बिंदु है जब कोई वस्तु उस पंक्ति से सबसे अधिक दूर होती है जिसकी वह परिक्रमा कर रही है।
- यह एलन मस्क की SpaceX के साथ **भारत का पहला सहयोग** है।
- यह उपग्रह **न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड (NewSpace India Limited- NSIL)** का है, जो **इसरो की वाणिज्यिक शाखा** है।
 - NSIL को उपयोगकर्ता की सेवा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिये **"मांग-संचालित मोड"** में उपग्रहों का **निर्माण, प्रक्षेपण, स्वामित्व और संचालन करने का अधिकार** दिया गया है।
- GSAT-N2, NSIL का **दूसरा मांग-संचालित उपग्रह** है। इसका पहला मांग-संचालित उपग्रह [GSAT-24](#) था जिसे **जून 2022** में प्रक्षेपित किया जाएगा।

अधिक पढ़ें: [SSLV विकास परियोजना का समापन](#)